जोगण गाजे हो ऊपर माला का मंगरा में

जोगण गाजे हो,
ऊपर माला का मंगरा में,
माऊजी जोगण गाजे हों।bd।

भगता की माँ जेला काटे,
बेड्या व हथकड़ीया काटे,
हाका धाका चड जा घाटे,
छतर छाजे ओ,
ऊपर माला का मंगरा में,
माऊजी जोगण गाजे हों।bd।

दोई नोरता लागे मेलो,
जीण में राव रंक वे भेलो,
जातर्या ऊ बेहतो गेलो,
जमगट जागे ओ,
ऊपर माला का मंगरा में,
माऊजी जोगण गाजे हों।bd।

खरल खरल खादरीयो खलके,
गव मुख कुंड माय जल खलके,
महामाया मंदर में मुलके,
थला पे राजे ओ,
ऊपर माला का मंगरा में,
माऊजी जोगण गाजे हों।bd।

मेरी माता सुध ले आकर,
तु है माँ सिधा कि ठाकर,
कहें भेरव चरणा रो चाकर,
पले आज्यो ओ,
ऊपर माला का मंगरा में,
माऊजी जोगण गाजे हों।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जोगण गाजे हो,
ऊपर माला का मंगरा में,
माऊजी जोगण गाजे हों।bd।

गायक – देव शर्मा आमा।
8290376657

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com